एमएसएमई सेक्टर में मिलेंगे 18 लाख रोजगार के अवसर

- इन्वेस्टर्स समिट में एमएसएमई क्षेत्र में बड़े-छोटे 8,829 एमओयू
- लक्ष्य से अधिक 1.37 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के उपरांत एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग) सेक्टर में रोजगार का बड़ा रास्ता खुलने जा रहा है। समिट में इस सेक्टर में 8,829 एमओयू (समझौता ज्ञापन) के जरिए 1.37 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। जिनके धरातल पर उतरने पर लगभग 18 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

प्रदेश में एमएसएमई की 95 लाख इकाइयां रजिस्टर्ड हैं। सरकार ने एमएसएमई सेक्टर के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा था, जबकि 1.37 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। बड़े निवेशकों के साथ हजारों छोटे निवेशकों ने भी एमएसएमई सेक्टर में भरोसा जताया है। एमएसएमई के तहत 6212 एमओयू ऐसे हैं, जिनकी निवेश राशि 10 करोड़ रुपये के भीतर है। इसके माध्यम से 26,124 करोड़ रुपये का निवेश आएगा। वहीं, 10 से 20 करोड़ के बीच निवेश वाले 938 एमओयू हुए हैं, जिनके माध्यम से 15,341 करोड़ रुपये का निवेश होगा। 20 करोड़ से 30 करोड़ के बीच 451 एमओयू हुए और उनकी निवेश राशि 11,956 करोड़ रुपये है। 30 करोड़ से 40 करोड़ के बीच राशि के 213 एमओयू के माध्यम से 7,931 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है। 40 से 50 करोड़ रुपये की लागत वाले निवेश श्रेणी में 894 एमओयू हुए हैं इसके तहत 43,890 करोड़ रुपये का निवेश आने की संभावना है, 50 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 8,708 एमओयू हुए हैं इसके माध्यम से 105,242 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।

पचास करोड़ रुपये से अधिक के 121 एमओयू

एमएसएमई सेक्टर में 50 करोड़ रुपये से अधिक राशि के 121 एमओयू हुए हैं, जिनके तहत 32,312 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। वहीं 50 करोड़ से 100 करोड़ रुपये के मध्य के 65 एमओयू के माध्यम से 5,341 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है, जबकि 100 से 200 करोड़ के मध्य 33 एमओयू के माध्यम से 4,984 करोड़ रुपये का निवेश होना है। ऐसे ही 200 से 500 करोड़ रुपये की रकम के 13 एमओयू के माध्यम से 3,391 रुपये का निवेश प्रस्तावित है। 500 करोड़ रुपये से अधिक रकम के 10 एमओयू के माध्यम से 18,596 करोड़ रुपये का निवेश होना है।